

19 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

सामाजिक न्याय:

1. हिंसा, आश्रयहीनता (बेघर होना) और महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. अब सभी की निगाहें हिंद महासागर क्षेत्र पर हैं:

अर्थव्यवस्था:

1. यूरोपीय देशों के साथ स्वतंत्र व्यापार समझौतों पर:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. रूसी चुनावों में भारी जीत के बाद पुतिन का एक और कार्यकाल:
2. डैंगू का टीका 2026 तक बाजार में आ सकता है: आईआईएल
3. अध्ययन से पता चलता है कि कई राज्यों में वसंत का मौसम गायब हो रहा है:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

हिंसा, आश्रयहीनता (बेघर होना) और महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य और अन्य कारकों के साथ परस्पर क्रिया।

विवरण:

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (National Family Health Survey (NFHS-5)) भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के स्तर पर प्रकाश डालता है, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा शारीरिक और औन हिंसा का अनुभव किया गया है।
- महिलाओं के खिलाफ हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे और बेघर होना आपस में जुड़े हुए हैं, जो संवेदनशीलता और हाशिए पर जाने का एक चक्रीय पैटर्न बनाते हैं।

निष्कर्ष और साक्ष्य:

- यह अनुसंधान हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों और बेघर होने के बीच पारस्परिक संबंध को इंगित करता है, संबंधपरक व्यवधान अक्सर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच होने पर भी बेघर होने की भविष्यवाणी करते हैं।
- गुणात्मक अध्ययन आधार, सामाजिक संबंधों में हिंसा और महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य और बेघरता पर अलगाव के अनुभवों के प्रभाव को प्रकट करते हैं।

- व्यक्तिगत आख्यानों में अक्सर बेघर होने की यात्रा को बाल यौन शोषण और परिचित/अंतरंग साथी हिंसा सहित हिंसा के चक्र से बचने के अर्थ के रूप में चिह्नित किया जाता है।

जटिलताओं को समझना:

- गरीबी और जाति जैसी संरचनात्मक बाधाएं हिंसा के साथ जुड़ती हैं, जिससे महिलाएं सुरक्षा और अपनेपन की तलाश में पारंपरिक संबंध बंधन तोड़ देती हैं।
- एलेन कॉरिन का काम मानसिक बीमारी के न्यूनीकरणवादी विचारों को चुनौती देता है, एक सूक्ष्म समझ का सुझाव देता है जो लक्षणों के रूप में लेबल किए गए व्यवहार के पीछे व्यक्तिगत अनुभवों और अर्थों पर विचार करता है।

पागलपन और महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य:

- ऐतिहासिक और समकालीन सामाजिक संरचनाएं महिलाओं को प्रजनन भूमिकाओं तक ही सीमित रखती हैं और उत्पीड़न का विरोध करने वालों को "पागल" करार देकर चुप करा देती हैं।
- कुछ महिलाएं पागलपन को प्रतिरोध या पितृसत्तात्मक मानदंडों को पार करने के साधन के रूप में देखती हैं, जबकि अन्य बदली हुई धारणाओं के माध्यम से सांत्वना देती हैं या अपने आंतरिक स्व और अपनी विशिष्टता को खोजने का प्रयास करती हैं।

व्यापक समाधान और सिफारिशें:

- व्यापक समाधानों को महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कायम रखने वाले प्रणालीगत कारकों को संबोधित करना चाहिए, जिसमें अवैतनिक श्रम को पहचानना और मुआवजा देना, आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना और शिक्षा के माध्यम से समतावादी मानदंडों को बढ़ावा देना शामिल है।
- रॉबर्ट सपोलस्की का शोध हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए बचपन की प्रतिकूलताओं को लक्षित करने वाली नीतियों और हस्तक्षेपों की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

- हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य और बेघर होने से जुड़े मुद्दों की जटिलता को संबोधित करने के लिए विविध पेशेवरों, नवीन अनुसंधान और जीवित अनुभवों वाले लोगों की सार्थक भागीदारी से युक्त एक बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है।

सारांश:

- महिलाओं के खिलाफ हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों और बेघर होने के बीच परस्पर क्रिया एक जटिल, अंतर्संबंधित कथा को रेखांकित करती है। अतः मूल कारणों को संबोधित करने और प्रभावित व्यक्तियों को प्रभावी ढंग से समर्थन देने के लिए व्यापक समाधान तैयार करने के लिए इस बहुआयामी रिश्ते को समझना महत्वपूर्ण है।

अब सभी की निगाहें हिंद महासागर क्षेत्र पर हैं:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

मुख्य परीक्षा: हिंद महासागर क्षेत्र की भूराजनीति।

संदर्भ:

- भारत सरकार ने अक्टूबर 2023 से हिंद महासागर क्षेत्र पर अपना नीतिगत ध्यान केंद्रित किया है।
- जबकि भारत-प्रशांत (Indo-Pacific) रणनीति प्रशांत और हिंद महासागर दोनों को कवर करती है, जिससे तत्काल पड़ोस की चिंताओं को प्रमुखता मिली है।

वर्तमान विकासक्रम:

- मालदीव और चीन: मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुहम्मद नेजी से चीन के साथ जुड़ रहा है, जिससे भारत के लिए चिंताएं पैदा हो रही हैं।

- **श्रीलंका की प्रतिक्रिया:** श्रीलंका ने भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हुए चीनी जहाजों सहित विदेशी अनुसंधान जहाजों पर एक साल की रोक लगा दी।
- **भारत-मॉरीशस सहयोग:** भारत की SAGAR नीति (SAGAR policy) के सकारात्मक परिणाम मिले, भारत और मॉरीशस ने अगालेगा द्वीप समूह में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे का उद्घाटन किया।

भूराजनीतिक गतिशीलता:

- **पश्चिमी और उत्तरी हिंद महासागर:** द्वीपीय राष्ट्रों और प्रमुख जलमार्गों सहित दोनों क्षेत्रों में गतिविधि में वृद्धि देखी गई है।
- **इज़राइल-हमास संघर्ष प्रभाव:** इज़राइल-हमास संघर्ष के बढ़ने के परिणामस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग पर हमले हुए हैं, जिससे स्वेज़ नहर के माध्यम से से होने वाले यातायात में कमी आयी हैं।
- **चीनी नौसेना विस्तार:** चीन का लक्ष्य मालदीव जैसे देशों के साथ समझौते द्वारा हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी नौसैनिक उपस्थिति का विस्तार करना है।

रणनीतिक विवाद:

- **चीन-भारत प्रतिदंडिता:** चीन और भारत के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज़ हो रही है, जो भारत के क्षेत्रीय प्रभाव को कम करने के चीन के प्रयासों से और भी बढ़ गई है।
- **भारत की प्रतिक्रिया:** भारत इस चुनौती का दृढ़ता से सामना कर रहा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका जैसे सहयोगियों के साथ सहयोग पर जोर दे रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय जु़़ार:

- **अन्य देशों की भागीदारी:** यू.के., यूरोपीय संघ, फ्रांस और जर्मनी जैसे देश चीन की गतिविधियों पर चिंता व्यक्त करते हैं लेकिन उनकी प्रतिक्रिया में अस्पष्टता प्रदर्शित करते हैं।

- पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता: चीन से भौगोलिक दूरी यूरोपीय संघ की सुरक्षा धारणाओं को प्रभावित कर सकती है, जिससे उनकी एशिया रणनीति की पुनर्परीक्षा की आवश्यकता होगी।

भारत की रणनीतियाँ:

- हिंद महासागर को प्राथमिकता देना: भारत अपनी हिंद-प्रशांत जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए हिंद महासागर क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दे रहा है।
- क्षेत्रीय तंत्र का पुनर्मूल्यांकन: आईओआरए (IORA) और सीएससी जैसे संगठनों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक नए तंत्र के निर्माण पर विचार करने का आव्वान किया गया है।
- नौसेना शक्ति को सुदृढ़ बनाना: भारत का लक्ष्य एक महत्वपूर्ण समुद्री शक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अपनी नौसेना को अधिक संसाधन आवंटित करना है।

सारांश:

- हिंद महासागर क्षेत्र पर भारत सरकार का नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है, विशेष रूप से चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर, रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन और समुद्री सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की मांग बढ़ रही है।

यूरोपीय देशों के साथ स्वतंत्र व्यापार समझौतों पर:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

विषय: अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण का प्रभाव।

प्रारंभिक परीक्षा: यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) देश।

मुख्य परीक्षा: ईएफटीए के साथ एफटीए: प्रावधान और प्रभाव।

टीईपीए का विवरण:

- भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) भारत का नवीनतम मुक्त व्यापार समझौता (Free Trade Agreement (FTA)) है, जो यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) देशों-स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के साथ गहरे आर्थिक संबंधों को चिह्नित करता है।
- यह अपने एफटीए अनुबंधों में पश्चिमी दुनिया के प्रति भारत की धुरी का प्रतीक है, जो किसी भी यूरोपीय देश के साथ पहला समझौता है।

टीईपीए की मुख्य विशेषताएं:

- **निवेश:**
 - टीईपीए का लक्ष्य 15 वर्षों में ईएफटीए देशों से भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करना है, जिससे दस लाख नौकरियां पैदा होंगी।
 - यदि निवेश लक्ष्य पूरा नहीं होता है, तो भारत के आर्थिक विकास और ईएफटीए निवेश पर रिटर्न के आधार पर, भारत टैरिफ रियायतें वापस लेने का विकल्प बरकरार रखता है।
- **वस्तुओं का व्यापार:**
 - भारत 7 से 10 वर्षों के भीतर अधिकांश उत्पादों पर टैरिफ समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे ईएफटीए देशों को अधिक बाजार पहुंच मिलेगी।
 - भारत में ईएफटीए निर्यात के लिए लाभकारी क्षेत्रों में समुद्री भोजन, फल, कॉफी, तेल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, स्मार्टफोन, चिकित्सा उपकरण, कपड़ा और मशीनरी शामिल हैं।
 - कटे और पॉलिश किए गए हीरों पर शुल्क पांच वर्षों में 5% से घटकर 2.5% हो जाएगा, और शाराब शुल्क भी धीरे-धीरे कम हो जाएगा।
- **सेवाओं में व्यापार:**
 - भारत और ईएफटीए दोनों सदस्य विभिन्न सेवा क्षेत्रों को उदार बनाने पर सहमत हैं।

- भारत के लिए विशिष्ट लाभों में योग प्रशिक्षकों और पारंपरिक चिकित्सा व्यवसायियों के लिए नॉर्वे के बाजारों तक पहुंच और नॉर्वे और स्विट्जरलैंड में अत्यधिक कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए आसान वीजा नियम शामिल हैं।
 - सेवा प्रदाताओं की योग्यता की पहचान को आसान बनाने और वित्तीय और दूरसंचार सेवाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए रूपरेखाएँ स्थापित की गई हैं।
- **सतत विकास:**
 - टीईपीए में पर्यावरण और श्रमिक चिंताओं को संबोधित करते हुए व्यापार और सतत विकास (टीएसडी) पर एक अध्याय शामिल है।
 - यह बहुपक्षीय समझौतों और सम्मेलनों का संदर्भ देता है लेकिन विवाद समाधान के अधीन नहीं है।
 - **बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर):**
 - यह समझौता बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए फार्मास्युटिकल और उच्च तकनीक बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मांगों को स्वीकार करता है।
 - भारतीय कानून में कुछ बदलावों की आवश्यकता है, जैसे पेटेंट विरोध प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और पेटेंट कामकाज पर वार्षिक विवरण को संशोधित करना।

टीईपीए के निहितार्थ:

- समझौते की सफलता समय के साथ इसके कार्यान्वयन पर निर्भर करती है।
- टीईपीए वैश्विक संरक्षणवादी रुझानों के बीच व्यापार उदारीकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का संकेत देता है।
- यह भारत और ईएफटीए देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे माल और सेवा क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ मिलता है।

- यह सतत विकास के लिए प्रावधान पेश करता है और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मांगों को पूरा करने के लिए बौद्धिक संपदा नियमों को समायोजित करता है।
- टीईपीए भारत और ईएफटीए देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।
- इसके प्रावधानों का उद्देश्य सतत विकास और बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसी समकालीन चुनौतियों का समाधान करते हुए व्यापार, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देना है।

सारांश:

- भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) यूरोपीय देशों के साथ गहन जुड़ाव की दिशा में भारत की एफटीए रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में निवेश, व्यापार उदारीकरण, सतत विकास और बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल हैं।

प्रीलिम्स तथ्य:**1. रूसी चुनावों में भारी जीत के बाद पुतिन का एक और कार्यकाल:****संदर्भ:**

- रूस के हालिया राष्ट्रपति चुनाव में, चुनाव की निष्पक्षता की व्यापक निंदा के बीच, राष्ट्रपति क्लादिमीर पुतिन ने भारी जीत के साथ एक और छह साल का कार्यकाल हासिल किया।

सम्बन्धित जानकारी:

- रूस के हाल के राष्ट्रपति चुनाव में, राष्ट्रपति क्लादिमीर पुतिन ने चुनाव की निष्पक्षता की व्यापक निंदा के बीच भारी जीत के साथ छह साल का एक और कार्यकाल हासिल किया है।
- पुतिन का प्रभुत्व 1999 से कायम है, जो असहमति पर कड़ी कार्रवाई और एक मुख्य विदेश नीति द्वारा चिह्नित है।

- 87% वोट के साथ, पुतिन की जीत का आंतरिक रूप से जश्न मनाया गया लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी आलोचना हुई है।
- जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ परिचमी नेताओं ने चुनाव को अलोकतांत्रिक बताया और कहा कि यह लोकतांत्रिक मानकों से कम है।
- यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों में मतदान को आपराधिक बताते हुए इसकी निंदा की।
- इसके बावजूद, पुतिन को चीन के शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के किम जोंग-उन जैसे नेताओं से बधाई मिली, जिससे भूराजनीतिक गठजोड़ उजागर हुआ।

महत्व:

- यह चुनाव पुतिन के शासन के तहत रूस की घरेलू स्थिरता को रेखांकित करता है, फिर भी लोकतांत्रिक मानदंडों और मानवाधिकारों पर सवाल उठाता है।

2. डॅंगू का टीका 2026 तक बाजार में आ सकता है: आईआईएल**संदर्भ:**

- इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (Indian Immunologicals Ltd.(IIL)) ने डॅंगू वैक्सीन के लिए विलनिकल परीक्षण का पहला चरण पूरा कर लिया है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2026 के मध्य तक इस टीके को व्यावसायिक तौर पर उपलब्ध करवाना है।

सम्बन्धित जानकारी:

- स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए टीके ने बिना किसी प्रतिकूल रिपोर्ट के आशाजनक परिणाम दिखाए हैं।
- इस टीके की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण आगामी हैं।

- राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (National Dairy Development Board) की सहायक कंपनी आईआईएल ने वर्ष 1982 में परिचालन शुरू किया था।
- कंपनी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से डेंगू वायरस के स्ट्रेन प्राप्त किए और सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में परीक्षण के परिणाम प्रकाशित करने की योजना बनाई है।
- इसके अतिरिक्त, आईआईएल ज़िका वायरस और क्यासानूर वन रोग (Kyasuran Forest Disease (KFD)) के लिए टीके विकसित कर रहा है, जिसमें भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद नैदानिक परीक्षणों का समर्थन कर रही है।

महत्व:

- संक्रामक रोगों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक प्रयास सराहनीय हैं।

3. अध्ययन से पता चलता है कि कई राज्यों में वसंत का मौसम गायब हो रहा है:**संदर्भ:**

- 50 वर्षों के मौसम संबंधी रिकार्डों के हालिया विश्लेषण से यह पता चलता है कि भारतीय राज्य धीरे-धीरे वसंत ऋतू की समाप्ति/कमी का अनुभव कर रहे हैं, जो सर्दी और गर्मी के बीच एक संक्रमणकालीन अवधि है।

मुद्दा:

- क्लाइमेट ट्रेंड्स के शोधकर्ताओं ने 1970 के बाद से 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में तापमान के रुझान की जांच की, जिसमें सर्दियों के महीनों के दौरान महत्वपूर्ण वार्मिंग प्रवृत्ति देखी गई।
- भारत के सिक्किम और मणिपुर जैसे क्षेत्रों में दिसंबर और जनवरी माह के तापमान में काफी वृद्धि देखी गई, जबकि उत्तर में इन महीनों के दौरान कम गर्मी या यहां तक कि ठंडक का अनुभव हुआ।

- फरवरी में सभी क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से गर्माहट देखी गई, जो पारंपरिक रूप से मार्च में देखी जाने वाली ठंडी सर्दियों के तापमान से गर्म परिस्थितियों में संभावित अचानक संक्रमण का संकेत देती है।

महत्व:

- इस बदलाव के कारण भारत के कई हिस्सों में वसंत के लुप्त होने की चिंता पैदा हो गई है। मौसम विज्ञानी इन बदलावों का श्रेय पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbances) और जेट स्ट्रीम के पैटर्न में बदलाव को देते हैं, जिससे देश भर में वर्षा वितरण और तापमान पैटर्न पर असर पड़ता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत में आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct (MCC)) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है।
2. आदर्श आचार संहिता केवल राजनीतिक दलों पर लागू होती है, स्वतंत्र उम्मीदवारों पर नहीं।
3. एमसीसी का लक्ष्य अभियान प्रथाओं को विनियमित करके स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: c

व्याख्या:

प्रश्न 2. भारत में किसी राज्य के राज्यपाल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राज्यपाल का चुनाव सीधे राज्य के विधायकों द्वारा किया जाता है।
2. राज्यपाल पाँच साल की निश्चित अवधि के लिए पद धारण करता है और उससे पहले उसे हटाया नहीं जा सकता है।
3. राज्यपाल को राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

प्रश्न 3. डैंगू के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

कथन 1: डैंगू मच्छर द्वारा प्रसारित बैक्टीरिया के कारण होता है।

कथन 2: सीओवीआईडी-19 की तरह डैंगू भी सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।

कथन 3: डैंगू को नियन्त्रित करने का एक प्रभावी तरीका मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: c

व्याख्या:

प्रश्न 4. मूँगा विरंजन (coral bleaching) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: प्रवाल विरंजन तब होता है जब प्रवाल अपने सहजीवी शैवाल को बाहर निकालते हैं, जिसके परिणामस्वरूप रंग का नुकसान होता है।

कथन 2: समुद्र का बढ़ा हुआ तापमान और प्रदूषण जैसे पर्यावरणीय तनाव मूँगे के विरंजन का कारण बन सकते हैं।

कथन 3: मूँगा विरंजन समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को बाधित कर सकता है और जैव विविधता में गिरावट का कारण बन सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: b

व्याख्या:

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के राष्ट्रपति ऐसी जगह पर संसद का सत्र बुला सकते हैं जहां वह उचित समझें।

2. भारत के संविधान में एक वर्ष में संसद के तीन सत्रों का प्रावधान है, लेकिन तीनों सत्रों का संचालन करना अनिवार्य नहीं है।

3. एक वर्ष में संसद की बैठक के लिए आवश्यक न्यूनतम दिनों की कोई संख्या नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: c

व्याख्या:

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. हिंद महासागर में भारत प्रमुख खिलाड़ी है, लेकिन इसकी क्षमताएं अभी भी सीमित हैं।

आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध] (India is the dominant player in the Indian Ocean, but its capacities are still limited. Critically examine. (10 marks, 150 words) [GS-2, IR])

प्रश्न 2. भारतीय महिलाओं पर कोई भी स्वास्थ्य चर्चा उनके आसपास मौजूद अंतर्निहित सामाजिक-सांस्कृतिक गतिशीलता की समझ के बिना अधूरी है। चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, सामाजिक न्याय] (Any health discourse on Indian women is incomplete without an

understanding of the underlying social-cultural dynamics which surround them. Discuss. (15 marks, 250 words) [GS-2, Social Justice])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर किलक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)